Seat No. : _____

AE-109

April-2019

B.A., Sem.-II

EC-II (112) : Hindi
(Second Sub.)
(सामान्य हिन्दी)
(गद्य की पगडंडियाँ)

Time : 2:30 Hours] **[Max. Marks : 70**

सूचना : (1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्धारित क्रम के अनुसार ही लिखें ।

(2) निम्नलिखित प्रश्न–1 (ब) और 2 (ब) में से किन्हीं **चार** तथा प्रश्न–3 (ब) में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर विकल्प चुनकर या **एक–दो** वाक्य में दीजिए ।

(3) निम्नलिखित प्रश्न 4 (ब) में से किन्हीं **तीन** वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

1. (अ) 'महाभारत की एक सांझ' का सारांश लिखिए । **14**

अथवा

'शिवजी की बारात' में व्यक्त विशेष बात पर प्रकाश डालिए ।

(ब) (1) 'महाभारत की एक सांझ' कौन सी साहित्यिक विधा है ? **4**

(a) निबंध (b) कहानी
(c) एकांकी (d) संस्मरण

(2) 'महाभारत की एक सांझ' के लेखक का नाम बताइए ।

(a) भारतभूषण अग्रवाल (b) विद्यानिवास मिश्र
(c) हरिशंकर परसाई (d) शरद कोठारी

(3) शिवजी की पार्वती के साथ कौन सी शादी थी ?

(a) पहली (b) दूसरी
(c) तीसरी (d) चौथी

(4) देवी सती की मृत्यु के बाद रसोई कौन संभालता था ?

(5) पांडव दुर्योधन को ढूँढने कहाँ गये ?

(6) किसकी पुत्री पार्वती से बूढ़े शिव की शादी तय हुई ?

2. (अ) हरिशंकर परसाई द्वारा रचित 'अपनी-अपनी हैसियत' में व्यक्त व्यंग्य पर प्रकाश डालिए । **14**

अथवा

'मुक्तिबोध के जीवन के अंतिम सात वर्ष' के आधार पर मुक्तिबोध के व्यक्तित्व के भिन्न-भिन्न पहलुओं की चर्चा कीजिए ।

(ब) (1) कामायनी पुनर्विचार किसने लिखा है ? **4**

(a) मुक्तिबोध (b) अज्ञेय

(c) जयशंकर प्रसाद (d) पंत

(2) अख़बार खत्म हो जाने पर लेखक क्या पढ़ते थे ?

(a) कहानी (b) विज्ञापन (c) चुटकुले (d) शायरी

(3) कैलेंडर में कौन देवी बैठी है ?

(a) सरस्वती (b) सती (c) लक्ष्मी (d) पार्वतीजी

(4) स्वर्ग में कौन सी कॉलोनी का बंगला लालाजी के लिए पहले से ही रिज़र्व होगा ?

(5) 'मैं मूल रूप से पत्रकार हूँ' – यह कथन किसका है ?

(6) मुक्तिबोध किस-किस चीज़ के शौकीन थे ?

3. (अ) पत्र की परिभाषा देते हुए पत्र के अंगों पर प्रकाश डालिए । **14**

अथवा

निम्नलिखित गद्यखंड का एक तिहाई संक्षेपण कीजिए ।

ब्रह्मचर्य का पालन करने की इच्छा रखने वालों को यहाँ एक चेतावनी देने की आवश्यकता है । यद्यपि मैंने ब्रह्मचर्य के साथ आहार और उपवास का निकट सम्बन्ध सूचित किया है । तो भी यह निश्चित है कि उसका मुख्य आधार मन पर है । मैला मन उपवास से शुद्ध नहीं होता । आहार का उस पर प्रभाव नहीं पड़ता । मन का मैल तो विचार से, ईश्वर के ध्यान से और आखिर ईश्वरी प्रसाद से ही छूटता है । किन्तु मन का शरीर के साथ निकट सम्बन्ध है और विकार युक्त मन विकार युक्त आहार की खोज में रहता है । विकारी मन अनेक प्रकार के स्वादों और भोगों की तलाश में रहता है और बाद में उन आहारों तथा भोगों का प्रभाव मन पर पड़ता है । अतएव उस हद तक आहार पर अंकुश रखने की और निराहार रहने की आवश्यकता अवश्य उत्पन्न होती है । विकारग्रस्त मन शरीर और इन्द्रियों के अधीन होकर चलता है । इस कारण भी शरीर के शुद्ध और कम से कम विकारी आहार की मर्यादा की और प्रसंगोपात निराहार-की उपवास की-आवश्यकता रहती है । अतएव जो लोग यह कहते हैं कि संयमी के लिए आहार की, मर्यादा की अथवा उपवास की आवश्यकता नहीं है वे उतने ही गलती पर हैं जितने आहार तथा उपवास को सर्वस्व मानने वाले । मेरा अनुभव तो मुझे यह सिखाता है कि जिसका मन संयम की ओर बढ़ रहा है, उसके लिए आहार की मर्यादा और उपवास बहुत मदद करने वाले हैं । इसकी सहायता के बिना मन की निर्विकारता असम्भव प्रतीत होती है ।

(ब) (1) पत्र के कितने अंग हैं ? **3**

(a) चार (b) पाँच

(c) छः (d) सात

(2) संक्षेपण से किसकी बचत होती है ?

(a) श्रम और समय (b) कागज

(c) पैसे (d) पेट्रोल

(3) स्थूल रूप से पत्र के कितने प्रकार हैं ?

(a) दो (b) तीन

(c) चार (d) पाँच

(4) संक्षेपण करते समय क्या छोड़ देना चाहिए ?

(5) सफल पत्र किसे कहते हैं ?

4. (अ) विचार-विस्तार कीजिए : **14**

– धैर्य कडुवा होता है,
पर उसका फल मीठा होता है ।

अथवा

– मज़हब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना,
हिन्दी हैं हम वतन है हिन्दोस्ताँ हमारा ।।

(ब) (1) ખુશામત ખોર લોકોની સલાહ લેવા કરતા દુશ્મનની સલાહ લેવી સારી. **3**

(2) મુર્ખ માણસ પશુ સમાન હોય છે, એને સારા-નરસાની જાણ નથી હોતી.

(3) મૃત્યુ અટલ છે જે મનુષ્યના જન્મની સાથે જ લખી દેવામાં આવે છે.

(4) નદીઓને સ્વચ્છ રાખીને આપણે આપણી સભ્યતાને જીવંત રાખી શકીએ છીએ.

(5) જાતે ભણો, બીજાને ભણાવો. દીપક વડે દીપક પેટાવો.